भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-3712

उत्तर दिनांक 18/12/2024 को दिया गया

नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का पर्यावरण और सुरक्षा आकलन

3712. श्री मड्डीला गुरूमूर्ति

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए किए जाने वाले पर्यावरण और सुरक्षा आकलन का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार संभावित चिंताओं को दूर करने के लिए कदम उठा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) इन नए परमाणु संयंत्रों का भारत की ऊर्जा सुरक्षा, कार्बन न्यूनीकरण लक्ष्यों और इन संयंत्रों की स्थापना किए जाने वाले क्षेत्र की स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं पर क्या अपेक्षित प्रभाव होगा?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) नए नाभिकीय विद्युत संयंत्रों के संबंध में, विस्तृत पर्यावरणीय और संरक्षा मूल्यांकन किए जाते हैं और आवश्यक कानूनी स्वीकृतियां प्राप्त की जाती है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अनुमोदित संदर्भ की शर्तों (टीओआर) के अनुरूप व्यापक पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) अध्ययन किया जाता है और एमओईएफएंडसीसी से परियोजना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त की जाती है और निर्धारित प्रक्रिया का अनुपालन किया जाता है। संरक्षा के संबंध में, विस्तृत स्थल मूल्यांकन किया जाता है और परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) से स्थल की सहमति प्राप्त की जाती है। परियोजना का निर्माण कार्य, कानूनी स्वीकृति प्राप्त करने के बाद ही किया जाता है।

(ख) नए संयंत्रों में जनता की चिंताएं मुख्य रूप से पुनःस्थापन और पुनर्वास (आर एंड आर) से संबंधित मुद्दों और नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की संरक्षा को लेकर आशंकाओं से जुड़ी होती हैं। आरएंडआर के संबंध में, एनपीसीआईएल अच्छे आरएंडआर पैकेज पर पहुंचने के लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहा है। नाभिकीय ऊर्जा के प्रति जागरूकता फैलाने, संरक्षा के बारे में आशंकाओं को दूर करने और सरल, समझने योग्य और विश्वसनीय तरीके से हल करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण पर आधारित एक बड़े पैमाने पर जन संपर्क कार्यक्रम एनपीसीआईएल द्वारा लागू किया जा रहा है।

(ग) नाभिकीय ऊर्जा में अपार क्षमता है और यह देश को दीर्घकालिक ऊर्जा संरक्षा प्रदान कर सकती है। नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल हैं, क्योंकि वे ग्रीन हाउस गैसों (जीएचजी) का उत्सर्जन नहीं करते हैं और वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य में देश के ऊर्जांतरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

किसी स्थान पर नए नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की स्थापना से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और व्यापार के अवसर उत्पन्न होंगे और उस क्षेत्र में आर्थिक विकास होगा। इस प्रकार, नए नाभिकीय विद्युत संयंत्र इन सभी तीन पहलुओं में योगदान देंगे।

*****